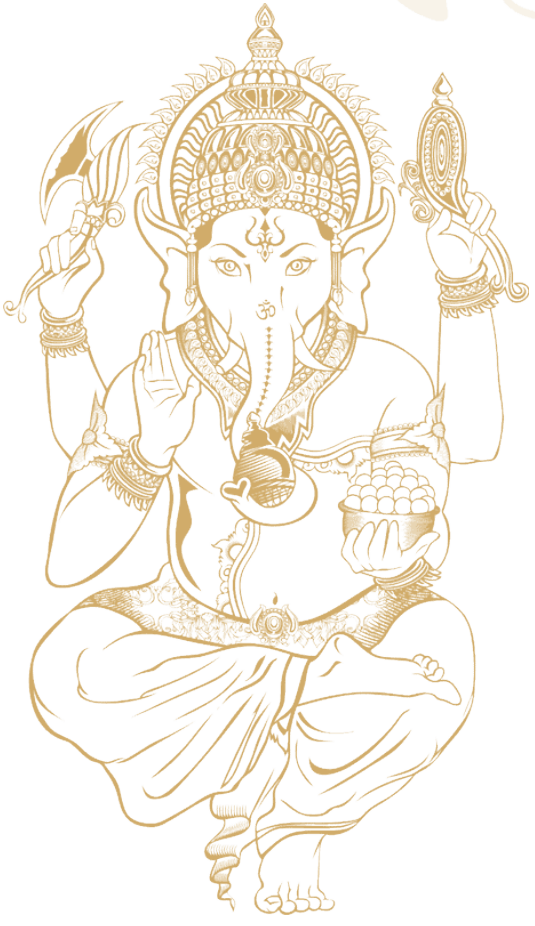

Shriyank bhargava

24 Mar 1995

05:16 PM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 121892105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/03/1995**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:16:35 घंटे**
इष्ट	27:48:38 घटी
स्थान	**Katni**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	80:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:08:31 घंटे
वेलान्तर	-00:06:28 घंटे
साम्पातिक काल	05:14:27 घंटे
सूर्योदय	06:09:07 घंटे
सूर्यास्त	18:20:20 घंटे
दिनमान	12:11:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:34:41 मीन
लग्न के अंश	25:47:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:47:54	329:22:08	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मीन	09:34:41	00:59:30	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	18:03:42	13:59:02	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल	व		कर्क	19:22:20	00:00:10	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			कुंभ	20:53:51	01:38:14	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	21:29:21	00:01:30	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	01:45:15	01:11:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	23:27:44	00:07:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु	व		तुला	12:16:05	00:01:00	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	12:16:05	00:01:00	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:57:40	00:02:01	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:25:58	00:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:41:39	00:00:41	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			वृष	25:44:21	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:36

लग्न-चलित

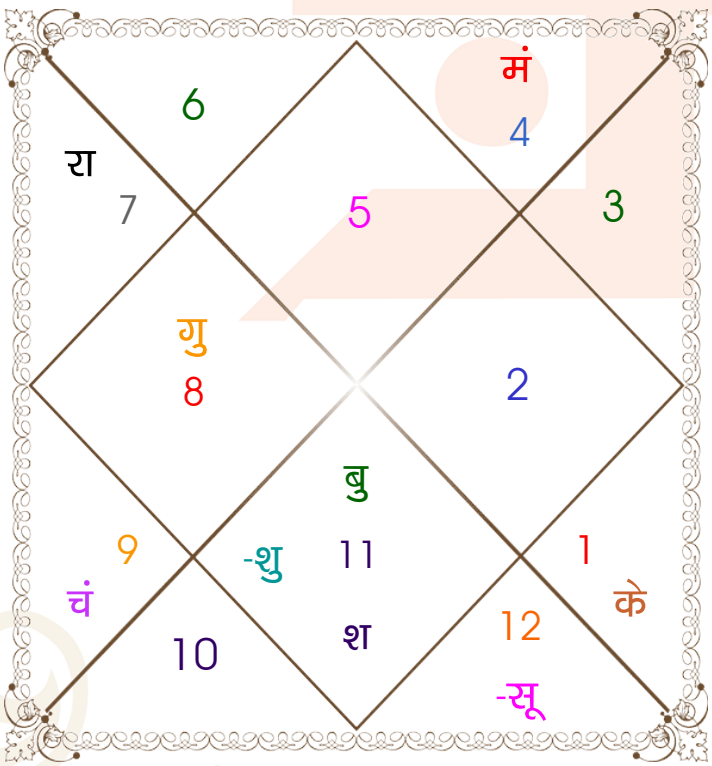

चन्द्र कुंडली

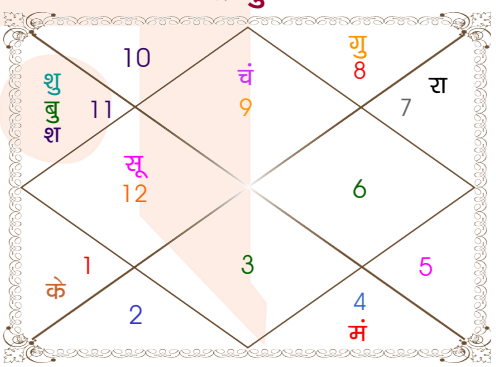

नवमांश कुंडली

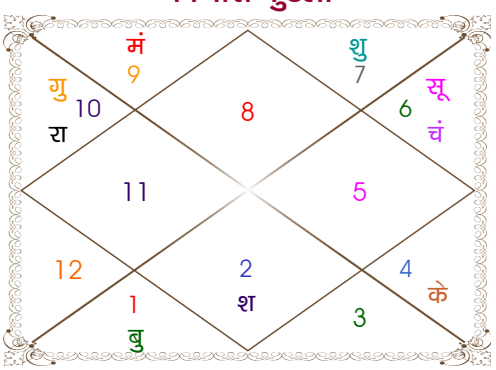

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 10 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/03/1995		19/02/2008		18/02/2014		19/02/2024		18/02/2031	
19/02/2008		18/02/2014		19/02/2024		18/02/2031		18/02/2049	
	00/00/0000	सूर्य	07/06/2008	चंद्र	19/12/2014	मंगल	17/07/2024	राहु	01/11/2033
	00/00/0000	चंद्र	07/12/2008	मंगल	21/07/2015	राहु	04/08/2025	गुरु	26/03/2036
	24/03/1995	मंगल	14/04/2009	राहु	18/01/2017	गुरु	11/07/2026	शनि	31/01/2039
मंगल	20/04/1995	राहु	08/03/2010	गुरु	20/05/2018	शनि	20/08/2027	बुध	19/08/2041
राहु	20/04/1998	गुरु	26/12/2010	शनि	20/12/2019	बुध	16/08/2028	केतु	07/09/2042
गुरु	19/12/2000	शनि	08/12/2011	बुध	20/05/2021	केतु	12/01/2029	शुक्र	07/09/2045
शनि	19/02/2004	बुध	13/10/2012	केतु	19/12/2021	शुक्र	14/03/2030	सूर्य	01/08/2046
बुध	19/12/2006	केतु	18/02/2013	शुक्र	20/08/2023	सूर्य	20/07/2030	चंद्र	31/01/2048
केतु	19/02/2008	शुक्र	18/02/2014	सूर्य	19/02/2024	चंद्र	18/02/2031	मंगल	18/02/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/02/2049		18/02/2065		19/02/2084		19/02/2101		20/02/2108	
18/02/2065		19/02/2084		19/02/2101		20/02/2108		00/00/0000	
गुरु	08/04/2051	शनि	22/02/2068	बुध	17/07/2086	केतु	18/07/2101	शुक्र	21/06/2111
शनि	19/10/2053	बुध	01/11/2070	केतु	14/07/2087	शुक्र	17/09/2102	सूर्य	20/06/2112
बुध	25/01/2056	केतु	11/12/2071	शुक्र	14/05/2090	सूर्य	23/01/2103	चंद्र	19/02/2114
केतु	31/12/2056	शुक्र	09/02/2075	सूर्य	21/03/2091	चंद्र	24/08/2103	मंगल	25/03/2115
शुक्र	01/09/2059	सूर्य	22/01/2076	चंद्र	19/08/2092	मंगल	20/01/2104		00/00/0000
सूर्य	19/06/2060	चंद्र	23/08/2077	मंगल	16/08/2093	राहु	07/02/2105		00/00/0000
चंद्र	19/10/2061	मंगल	01/10/2078	राहु	05/03/2096	गुरु	14/01/2106		00/00/0000
मंगल	25/09/2062	राहु	07/08/2081	गुरु	11/06/2098	शनि	22/02/2107		00/00/0000
राहु	18/02/2065	गुरु	19/02/2084	शनि	19/02/2101	बुध	20/02/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 11 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।